Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAS-305

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Jan. – Feb – 2022

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : तृतीय
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : पंचम
महाकाव्य एवं खण्डकाव्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. महाकाव्य परम्परायां रघुवंश महाकाव्यस्य स्थानं निर्धार्यताम्।
2. 'भारवेरर्थगौरवम्' इत्यस्य समीक्षा विधेया।
3. 'माघे सन्ति त्रयो गुणाः' कथनमिदं समालोच्यताम्।
4. भट्टिकाव्यस्य विंशतितमस्य सर्गस्य सार संक्षेपः संस्कृत भाषायां लिख्यताम्।
5. किरातार्जुनीयम्, शिशुपालधम्, महाकाव्ययोः एकैकं पद्यं विलिख्य तयोः व्याख्या विधेया।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. भट्टिकाव्यात् पद्यमेकं विलिख्य, तस्य व्याख्या कार्या।
7. 'सहसा विदधीत न क्रियाम् .....' इति पद्यस्य पूर्त्तिर्विधाय अर्थोऽपिलेख्यः।
8. शिशुपालवधमहाकाव्यान्तर्गतस्य कस्याप्येकस्य पद्यस्य व्याख्या कार्या।
9. अधोलिखितस्य श्लोकस्य व्याख्या विधेया -
   पतत्पतङ्गप्रतिमस्तपोनिधिः पुरोऽस्य यावन्न भुवि व्यलीयत।
   गिरेस्तडित्वानिव तावदुच्चकैर्जविन पीठादुदतिष्ठदच्युतः।।
10. 'हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः' इत्यस्याः सूक्तेः व्याख्या कार्या।
11. अधोलिखितस्य पद्यस्य व्याख्या कार्या -
    स्थितः स्थितामुच्चलितः प्रयातां निषेदुषिमासनबन्धधीरः।
    जलाभिलाषी जलमाददानां छायेव तां भूपतिरन्वगच्छत्।।
12. 'न पादपोन्मूलनशक्तिरंहः शिलोच्चये मूर्च्छति मारूतस्य' इत्यस्याः सूक्तेः समीक्षा कार्या।

----------X----------